मृदुल पत्रिका समाचार पत्र को समस्त जिलों एवं तहसील-कस्बों में संवाददाताओं की आवश्यकता है। सम्पर्क सूत्र 9828888853

दैनिक मृदुल पत्रिका

राजस्थान, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं हरियाणा से प्रकाशित

हमारे यहां किताबों व समाचार पत्रों की प्रिन्टिंग की जाती है सम्पर्क सूत्र 9571039307 (भरत प्रिंटर्स एण्ड सैल्स कॉर्पोरेशन)

पृष्ठ 8 वर्ष 16 मूल्य 2.00 रुपए अंक 70 | जयपुर, रविवार, 20 अक्टूबर, 2024 | RNI/RAJHIN/2008/27048 | dainikmridulpatrika@gmail.com | 9413193990

सीएसआईआर-सीरी में राष्ट्रीय आयुर्वेद उत्सव के उपलक्ष्य में निशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन

पिलानी (मृदुल पत्रिका)। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार, 9वें राष्ट्रीय आयुर्वेद उत्सव के उपलक्ष्य में सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में 19 अक्टूबर को आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श शिविर एवं औषधि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं औषधि वितरण शिविर राजस्थान आयुर्वेद विभाग, झुंझुनूं के सहयोग से आयोजित किया गया जिसमें अनुभवी आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. रमेश कुमार शर्मा, उपनिदेशक, राजस्थान आयुर्वेद विभाग, झुंझुनूं, डॉ. जगदीश चौधरी, ब्लॉक आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, पिलानी एवं डॉ निशा ने अपनी टीम के साथ सेवाएँ दीं। इस अवसर पर डॉ रमेश पी जाजू ने भी शिविर में रोगियों को परामर्श दिया। संस्थान परिसर के गाँधी हॉल में आयोजित आयुर्वेद शिविर में 125 से अधिक सहकर्मियों, उनके परिजनों एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं अन्य लोगों ने चिकित्सा परामर्श लिया और औषधियाँ प्राप्त कीं।

डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने चिकित्सा शिविर एवं औषधि वितरण कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ पंचारिया ने आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के महत्व एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में शोधरत सीएसआईआर प्रयोगशालाओं का उल्लेख किया। आयुर्वेदाचार्य डॉ रमेश कुमार शर्मा ने आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार पर प्रकाश डालते हुए कहा कि न केवल सरकार इस दिशा में प्रयासरत है अपितु नवीन अनुसंधानों के बल पर यह पद्धति बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा देश भर में 30 सितंबर, 2024 से 29 अक्टूबर, 2024 तक राष्ट्रीय आयुर्वेद उत्सव मनाया जा रहा है। मीडिया एवं जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि इस वर्ष की थीम वैश्विक स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद नवाचार रखी गई है। इसका उद्देश्य आयुर्वेद के माध्यम से प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों को जन-जन तक पहुँचाना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। डॉ पंचारिया ने अतिथियों को संस्थान की ओर से स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। प्रशासन नियंत्रक जय शंकर शरण ने धन्यवाद ज्ञापित किया।